आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 17 अंक : 05 लखनऊ, गुरूवार 07 मई 2026 से 13 मई 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

२३,४३७ करोड़ रुपये की तीन रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी, पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने रेल मंत्रालय की ३ परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है, जिनकी कुल लागत लगभग २३,४३७ करोड़ रुपये है। पीएम मोदी का कहना है कि इससे देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के साथ–साथ आर्थिक विकास को भी तेज रफ्तार मिलेगी। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा, आर्थिक विकास को गति! उन्होंने बताया मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के १६ जिलों में रेलवे परियोजनाओं के लिए कैबिनेट की मंजूरी से कनेक्टिविटी बढ़ेगी और परिचालन क्षमता में सुधार होगा। इससे पूरे देश में प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंच भी बेहतर होगी। दरअसल, मंगलवार को सरकार ने रेलवे की तीन बड़ी मल्टी–ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन प्रोजेक्ट्स की कुल लागत करीब २३,४३७ करोड़ रुपये है और इन्हें २०३०–३१ तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इन योजनाओं के तहत भारतीय रेलवे नेटवर्क में लगभग ६०१ किलोमीटर की

बढ़ोतरी होगी। इन तीन अहम परियोजनाओं में नागदा–मथुरा थर्ड और फोर्थ लाइन, गुंटकल वाडी थर्ड और फोर्थ लाइन और बुरहवाल सीतापुर थर्ड और फोर्थ लाइन शामिल हैं। इन लाइनों के बढ़ने से ट्रेनों की आवाजाही आसान होगी, देरी कम होगी और रेलवे की सेवा ज्यादा भरोसेमंद बनेगी। ये प्रोजेक्ट मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के १६ जिलों को कवर करेंगे। इससे करीब ४,००० से ज्यादा गांवों (लगभग ८३ लाख आबादी) को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। सरकार का कहना है कि ये योजनाएं पीएम–गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई हैं, जिसका मकसद मल्टी–मॉडल कनेक्टिविटी और ल जिस्टिक्स को बेहतर बनाना है। इससे लोगों, सामान और सेवाओं का आवागमन और आसान होगा। इन प्रोजेक्ट्स से कई बड़े पर्यटन स्थलों जैसे महाकालेश्वर, रणथंभौर नेशनल पार्क, केवलादेव नेशनल पार्क, मथुरा, वृंदावन और नैमिषारण्य तक पहुंच बेहतर होगी। साथ ही कोयला, सीमेंट, खाद, लोहा–इस्पात जैसे जरूरी सामान की ढुलाई भी तेज होगी। रेलवे के मुताबिक, इन परियोजनाओं से हर साल करीब ६० मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी। इससे न सिर्फ ल जिस्टिक्स लागत कम होगी, बल्कि ३७ करोड़ लीटर तेल की बचत और सीओ२ उत्सर्जन में भी बड़ी कमी आएगी।

देश के कई हिस्सों में बदला मौसम

नई दिल्ली। जेठ का महीना शुरू हो गया है और जेठ के पहले मंगल यानी बड़ा मंगल के दिन देश के कई हिस्सों में मौसम बदल गया। राजधानी दिल्ली सहित उत्तर, मध्य व पश्चिमी व पूर्वी भारत के कई हिस्सों में तेज आंधी चली और बारिश भी हुई। कई हिस्सों में बर्फ गिरने की भी खबर है। मौसम विभाग की ओर से बताया गया है कि राजस्थान के उत्तर पश्चिमी हिस्से में चक्रवात बनने से देश के कई हिस्से में मौसम बदल गया है। बताया गया है कि दक्षिण पूर्व उत्तर प्रदेश से लेकर तमिलनाडु तक ट्रफ बनी हुई है, जिससे उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में बारिश के आसार हैं। दिल्ली में मंगलवार को कई इलाकों में बारिश हुई और ओले गिरे। मंगलवार शाम को मिली जानकारी के मुताबिक पिछले २४ घंटे में उत्तर प्रदेश, बिहार सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में आंधी और तेज बारिश हुई। आंधी, बारिश और बिजली गिरने की घटनाओं में इन दोनों राज्यों में ३१ लोगों की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश में आंधी व बारिश से आठ लोगों की मौत हो गई। पीलीभीत में ईंट, भट्ठे की एक सौ फीट ऊंची चिमनी ढह गई। उधर बिहार के २२ जिलों में आंधी व बारिश हुई। बिजली गिरने से सात बच्चों सहित २३ लोगों की मौत हो गई। दो महिलाएं झुलस गईं। मौसम विभाग ने मंगलवार को १८ जिलों तेज बारिश का अलर्ट जारी किया था। उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी से मौसम सुहाना हुआ है। हिमाचल प्रदेश के सोलन का तापमान सोमवार को ४.८ डिग्री सेल्सियस रहा। यह मई महीने का अब तक का सबसे कम तापमान है। इससे पहले १४ मई २०२१ को ६.४ डिग्री तापमान रहा था। बहरहाल, मौसम विभाग ने बुधवार को जम्मू कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बारिश के साथ तेज रफ्तार से हवा चलने का अनुमान जताया है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में तेज आंधी व बारिश का अलर्ट है। बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में बारिश के साथ बिजली गिरने का खतरा भी बताया गया है।

यूपी के रक्षा गलियारों में 35,000 करोड़ का निवेश, प्रयागराज में सीएम योगी ने गिनाईं उपलब्धियां

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के छह रक्षा औद्योगिक गलियारों लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट के लिए ३५,००० करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव जमीनी धरातल पर उतरते हुए दिखाई दे रहे हैं। यहां न्यू कैंट में आयोजित तीन दिवसीय 'नॉर्थटेक सिंपोजियम' के समापन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा, ष्प्रदेश सरकार ने एक बड़ा भूमि बैंक तैयार किया है। रक्षा और वैमानिकी नीति के माध्यम से निवेश के इच्छुक निवेशकों को प्रोत्साहन भी उपलब्ध कराया जा रहा है।' उन्होंने कहा,'' अलीगढ़ में छोटे हथियारों, रक्षा उपकरणों और सैन्य सामग्रियों के उत्पादन के रूप में यह केंद्र उभरा है। इसके साथ ही परंपरागत रूप से 'पूर्व का मैनचेस्टर' कहलाने वाला कानपुर गोला–बारूद, मिसाइल, डिफेंस टेक्सटाइल और प्रोटेक्टिव गियर के विनिर्माण का केंद्र बिंदु बन गया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल और

भारी रक्षा विनिर्माण पर ध्यान दिया गया है। चित्रकूट और आगरा को वैमानिकी और रक्षा में सटीक इंजीनियरिंग के गढ़ के रूप में विकसित किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''सैनिकों की क्षमता बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश रक्षा गलियारों में तोप के गोले, ड्रोन, बुलेट प्रूफ जैकेट और उन्नत संचार प्रणालियों का विनिर्माण किया जा रहा है। रक्षा विनिर्माण गलियारे के लिए आवश्यक सहयोग उत्तर प्रदेश में मौजूद है...''मुख्यमंत्री ने कहा,'' हम आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर ड्रोन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। आज उत्तर प्रदेश में २१,००० से अधिक स्टार्टअप विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित हुए हैं। इनमें एआई, रोबोटिक्स, ड्रोन, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर आदि क्षेत्रों के स्टार्टअप शामिल हैं।'' योगी आदित्यनाथ ने कहा,'' मजबूत पारितंत्र का निर्माण हुआ। आज हम कह सकते हैं कि एक्सप्रेसवे, हाइवे, रेल संपर्क, मेट्रो और हवाई संपर्क के रूप में सबसे अच्छा आधारभूत ढांचा उत्तर प्रदेश के पास है।'' 'नॉर्थटेक सिंपोजियम' का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चार मई को किया था। इसमें रक्षा क्षेत्र में कार्यरत २५० से अधिक कंपनियों ने अपने उत्पाद एवं प्रौद्योगिकियां पेश कीं।

लोन नहीं चुकाया तो जब्त हो जाएगी प्रॉपर्टी, RBI ने दिया प्रस्ताव

लखनऊ। क्या आपने बैंक से लोन लिया है और उसे चुका नहीं पा रहे हैं? या फिर आप एक निवेशक हैं जो बैंकिंग सेक्टर पर नजर रखते हैं? तो यह खबर आपके लिए बेहद अहम है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी ने बैंकों और छठथ्है के लिए कर्ज वसूली यानी लोन रिकवरी से जुड़े नए नियमों का एक बड़ा मसौदा पेश किया है। अब तक बैंक अक्सर कानूनी दांव–पेंच में फंसे रहते थे, लेकिन अब त्ठप् के नए प्रस्ताव के मुताबिक, अगर कोई कर्ज छच्। (डूब चुका कर्ज) हो जाता है, तो बैंक वसूली के लिए गिरवी रखी गई जमीन या मकान जैसी अचल संपत्तियों को सीधे अपने कब्जे में ले सकेंगे। इन्हें तकनीकी भाषा में SNFA (Specified Non&Financial Assets) कहा जाएगा। लेकिन रुकिए! यहां बैंकों के लिए कुछ सख्त शर्तें भी हैं– बैंक इन संपत्तियों के मालिक बनकर हमेशा के लिए नहीं बैठ सकते। उन्हें कब्जा लेने के ७ साल के भीतर हर हाल में उस प्रॉपर्टी को बेचना होगा। आरबीआई का मानना है कि संपत्तियों को सही समय पर और पारदर्शी तरीके से बेचने से बैंकों को अपना ज्यादा से ज्यादा पैसा वापस मिलेगा। यह नियम केवल तभी लागू होंगे जब वसूली के बाकी तमाम रास्ते बंद हो चुके हों। इस खेल में किसी भी तरह की 'सेटिंग' या गड़बड़ी को रोकने के लिए RBI ने एक कड़ा नियम रखा है। बैंक यह संपत्ति वापस उसी उधार लेने वाले व्यक्ति या उससे जुड़े किसी भी शख्स को नहीं बेच पाएंगे। यानी, डिफ ल्टर अब अपनी ही संपत्ति को कम दाम में वापस खरीदने का खेल नहीं खेल सकेंगे। आरबीआई ने इस ड्राफ्ट पर आम जनता और विशेषज्ञों से २६ मई तक सुझाव मांगे हैं। इसके बाद ही इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। साफ है कि बैंकिंग सिस्टम को साफ–सुथरा बनाने और बैंकों का फंसा हुआ पैसा निकालने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है।

सम्पादकीय

चुनौती गंभीर : रुपये के गिरने का नया रिकॉर्ड

रुपये के गिरने का सोमवार को नया रिकॉर्ड बना। पहली बार बाजार ६५.६ रुपये प्रति ड लर के भाव पर बंद हुआ। इस वर्ष डॉलर की तुलना में रुपये का भाव ५.५ प्रतिशत गिर चुका है। ऐसा भारतीय रिजर्व बैंक के अपने भंडार से लगातार ड लर बेचने के बावजूद हुआ है। इस कारण मार्च– अप्रैल में विदेशी मुद्रा भंडार में १६ बिलियन डॉलर की गिरावट आई। अब कच्चे तेल के भाव में फिर उछाल और डॉलर की बढ़ी मांग का दबाव रुपये पर है। तो खबर है कि भारतीय रिजर्व बैंक देश में डॉलर की आवक बढ़ाने के उपायों का अध्ययन कर रहा है। ऐसा एक उपाय अनिवासी भारतीयों की जमा राशि से डॉलर लेना है, जैसा २०१३ में किया गया था। दूसरा उपाय सरकारी बॉन्ड्स में निवेश पर विदेशियों को मिलने वाले ब्याज पर टैक्स खत्म करना है, ताकि विदेशी निवेशक आकर्षित हों। जब चुनौती गंभीर हो रही हो, तो आरबीआई के लिए ऐसे कदमों पर विचार करना लाजिमी ही है। मगर ये उपाय मरहम–पट्टी से ज्यादा साबित नहीं होंगे। समस्या यह है, जैसाकि कुछ विशेषज्ञों ने कहा है, कि विदेशी निवेशक भारत के प्रति उदासीन हो गए हैं। ये स्थिति ईरान युद्ध शुरू होने से काफी पहले से सामने आ खड़ी हुई थी। इसकी वजह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस ढांचे में निवेश का आया जुनून है। चूंकि भारत एआई क्षेत्र में कहीं नहीं है, अतः उसे इसका नुकसान उठाना पड़ा है। निवेशकों ने यहां से पैसा निकाल कर अमेरिका स्थित एआई कंपनियों में लगाया है। उधर रुपये का भाव गिरने का एक किस्म का दुश्चक्र बना हुआ है। भाव जितना गिरता है, डॉलर में किए गए निवेश पर मुनाफा उतना घट जाता है। इन स्थितियों को बनाने में डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर और अब ईरान युद्ध की भी बड़ी भूमिका रही है। इन सबका समग्र प्रभाव यह हुआ है कि एक समय भारतीय बाजार की जो चमकदार कहानी बनाई गई थी, उसका आकर्षण भंग हो गया है। नतीजतन, मुश्किलें बढ़ रही हैं। इनका हल अर्थव्यवस्था के पुनर्संगठन से ही निकल सकता है। लेकिन ये बात फिलहाल अपने देश के एजेंडे पर नहीं है।

उत्तर प्रदेश में आंधी–तूफान और बिजली गिरने से १८ लोगों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बीते कुछ दिनों से कई हिस्सों में अति वर्षा, तेज आंधी और आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस प्रोंतिक आपदा में अब तक १८ लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि ५ लोग घायल बताए जा रहे हैं। इसके साथ ही २४ पशुओं की भी जान चली गई है, जिससे ग्रामीण इलाकों में लोगों को और ज्यादा नुकसान झेलना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। सीएम योगी ने कहा कि सरकार इस कठिन समय में हर प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है। सीएम ने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि घायलों का तुरंत और उचित इलाज कराया जाए ताकि किसी भी तरह की लापरवाही न हो। सीएम योगी ने राहत कार्यों को तेज करने के लिए सख्त आदेश जारी किए हैं। उन्होंने कहा है कि सभी जिलाधिकारी (डीएम) खुद फील्ड में मौजूद रहें और राहत कार्यों की निगरानी करें। साथ ही जरूरत पड़ने पर तुरंत शासन से समन्वय

बनाकर मदद पहुंचाई जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया है कि अति वर्षा, आंधी और बिजली गिरने से हुई जनहानि, पशुहानि और घायलों को २४ घंटे के अंदर मुआवजा दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पूरे मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन को पूरी गंभीरता और तेजी के साथ काम करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द राहत मिल सके। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से उत्तर प्रदेश समेत देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज अचानक बदल रहा है। कहीं तेज बारिश हो रही है तो कहीं ओले गिर रहे हैं। मई जैसे गर्म महीने में इस तरह की बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने लोगों के लिए परेशानी खड़ी कर दी है, खासकर गरीब और ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए यह स्थिति और मुश्किल बन गई है। मौसम विभाग ने अगले २४ घंटों के दौरान भी कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान घरों में ही रहें और खुले स्थानों, पेड़ों तथा बिजली के खंभों से दूर रहें।

यूपी में गरज चमक के साथ वर्षा के आसार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बीते २४ घंटों के दौरान मौसम में बदलाव का असर स्पष्ट रूप से देखने को मिला है। कई जिलों में तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया, जबकि आसमान में आंशिक बादल छाए रहने के साथ कहीं–कहीं गरज–चमक और हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार राजधानी लखनऊ में अधिकतम तापमान ३३.३ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से ६.४ डिग्री कम है, जबकि न्यूनतम तापमान २१.० डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से ३.३ डिग्री नीचे है। हवा में नमी का स्तर अधिकतम ६१ प्रतिशत तक पहुंचा, जिससे उमस का भी एहसास बना रहा। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में भी तापमान में गिरावट दर्ज की गई। प्रयागराज में अधिकतम तापमान ३५.४ डिग्री और न्यूनतम २०.६ डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से करीब ५ डिग्री कम है। कानपुर शहर में अधिकतम तापमान ३३.६ डिग्री और न्यूनतम १६.४ डिग्री सेल्सियस रिक र्ड किया गया। वाराणसी, गोरखपुर, झांसी, आगरा और मेरठ समेत अधिकांश शहरों में भी तापमान सामान्य से ३ से ८ डिग्री तक कम दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आगामी २४ घंटों के लिए पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में आंशिक बादल छाए रहने के साथ गरज–चमक और हल्की बारिश की संभावना है। राज्य के अन्य हिस्सों में भी कहीं–कहीं बारिश और गरज–चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इसके साथ ही विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि प्रदेश के कुछ इलाकों में ४० से ५० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना भी है। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बदलाव से जहां लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है, वहीं अगले कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज इसी तरह बदला हुआ रह सकता है। किसानों को भी सलाह दी गई है कि वे मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ेषि कार्यों की योजना बनाएं।

यूपी में डेयरी सेक्टर बना ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गो सेवा अब केवल आस्था का विषय नहीं रह गई है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने वाला एक सशक्त आर्थिक मॉडल बनकर उभरी है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डेयरी सेक्टर के तेजी से हुए विस्तार ने किसानों और युवाओं की आय बढ़ाने के साथ गांवों में रोजगार के स्थायी अवसर भी पैदा किए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, ''मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना'' और ''नंद बाबा दुग्ध मिशन'' जैसी योजनाओं ने इस बदलाव को जमीनी स्तर पर साकार किया है। आज प्रदेश के हजारों युवा डेयरी उद्यम से सालाना १० से १२ लाख रुपये तक की आय अर्जित कर रहे हैं। सरकार की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि मथुरा जिले के रदोई गांव निवासी देवेंद्र सिंह इस परिवर्तन की मिसाल बनकर उभरे हैं। नंद बाबा दुग्ध मिशन के तहत उन्होंने मिनी नंदिनी योजना का लाभ लेकर आठ साहिवाल और दो गिर नस्ल की गायों के साथ डेयरी यूनिट स्थापित की। सरकार से ५० प्रतिशत तक अनुदान मिलने के बाद उनकी डेयरी से अब प्रतिदिन लगभग १०० लीटर दूध उत्पादन हो रहा है। देवेंद्र का कहना है कि सरकारी सहयोग से उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव पशुपालन मुकेश मेश्राम के अनुसार, उत्तर प्रदेश ने दुग्ध उत्पादन में देश में पहला स्थान हासिल कर लिया है। देश के कुल दुग्ध उत्पादन में प्रदेश की हिस्सेदारी १६ प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। इस उपलब्धि के साथ उत्तर प्रदेश ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। स्वदेशी नस्लों–साहिवाल और गिर–को बढ़ावा देने की नीति ने डेयरी क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार किया है। ये नस्लें अधिक दूध उत्पादन और बेहतर गुणवत्ता के लिए जानी जाती हैं। इनके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक डेयरी इकाइयों की स्थापना बढ़ी है, जिससे पशु आहार, परिवहन, दुग्ध संग्रहण और विपणन जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। डेयरी सेक्टर में आई इस तेजी का असर ग्रामीण जीवन पर भी साफ दिखाई दे रहा है। युवाओं की आय बढ़ने से गांवों से शहरों की ओर पलायन में कमी आई है। बड़ी संख्या में युवा अब गांवों में ही रहकर डेयरी व्यवसाय से जुड़ रहे हैं और अन्य लोगों को भी रोजगार दे रहे हैं। अब गो सेवा उत्तर प्रदेश में आर्थिक समृद्धि और आत्मनिर्भरता का नया मॉडल बनती नजर आ रही है। यह न केवल किसानों की आय बढ़ा रही है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर प्रदेश के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

बरेली में 11 साल की रेप पीड़िता ने किया सुसाइड

बरेली। बरेली जिले में ११ साल की एक लड़की द्वारा अपने साथ हुई दुष्कर्म की वारदात के बाद कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या किये जाने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, २७ अप्रैल को मीरगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली कक्षा आठ की छात्रा को जीशान नामक युवक कथित तौर पर बहला–फुसलाकर ले गया और उसके साथ बेहद क्रूरता से दुष्कर्म किया था। उन्होंने बताया कि इस घटना से बुरी तरह सदमे में आई लड़की ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी।सूत्रों ने बताया कि पोस्टम र्टम रिपोर्ट में बच्ची के साथ हुई क्रूरता की वारदात सामने आई है। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट में लड़की के शरीर पर यौन उत्पीड़न और कई शारीरिक चोटों की पुष्टि हुई है, जिनमें दांत से काटने के निशान और नाखूनों से खरोंचें शामिल हैं। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अंशिका वर्मा के अनुसार, शुरू में लड़की के परिवार ने मौत को आत्महत्या बताया था और पुलिस कार्रवाई करने से हिचकिचाहट दिखायी थी मगर पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म का खुलासा होने के बाद उन्होंने इस सिलसिले में रिपोर्ट दर्ज करायी थी। उन्होंने बताया कि पीड़िता की छोटी बहन ने पुलिस को बताया था कि जीशान (२६) अक्सर पीड़िता के स्कूल के पास वाले इलाके में आता–जाता रहता था और वह कथित तौर पर वह उसे कुछ रुपये देता था ताकि वह पीड़िता के साथ उसकी मुलाकातों के बारे में अपने माता–पिता को न बताए। वर्मा ने बताया, श्शतकनीकी निगरानी, सीसीटीवी फुटेज और परिवार के बयानों के आधार पर हमने जीशान को मंगलवार को मीरगंज साप्ताहिक बाजार के पास से गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ कार्यवाही की जा रही है।''

मतगणना के CCTV फुटेज हो सार्वजनिक... बंगाल चुनाव में धांधली का आरोप लगा अखिलेश ने सुप्रीम कोर्ट से की यह खास अपील

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के हालिया चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली के आरोप लगाते हुए उच्चतम न्यायालय से इस मामले का संज्ञान लेने और इस राज्य में हुई मतगणना के सीसीटीवी फुटेज पूरे देश के सामने जारी करने की बुधवार को मांग की। अखिलेश यादव ने यहां संवाददाता सम्मेलन में यह भी कहा कि भाजपा नेताओं, अधिकारियों, कारोबारियों और ठेकेदारों का 'बहु–स्तरीय चुनावी माफिया' पश्चिम बंगाल में अपना 'खेल' करने के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा के आगामी चुनाव में किसी नयी योजना के साथ काम करेंगे। सपा प्रमुख ने बंगाल के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा पहुंचाने के लिए बड़े पैमाने पर ध ांधली किये जाने और बड़ी संख्या में वोट काटे जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''हमारी मांग है कि उच्चतम न्यायालय तत्काल संज्ञान ले और बंगाल की मतगणना के सीसीटीवी फुटेज पूरे देश के सामने उपलब्ध कराये जाएं।'' अखिलेश यादव ने कहा कि जब अदालतों की कार्यवाही का सजीव प्रसारण हो सकता है तो मतगणना की प्रक्रिया का क्यों नहीं। उन्होंने पिछले कई विधानसभा चुनावों और उपचुनावों में हार–जीत के अंतर के आंकड़ों के ग्राफ पेश करते हुए निर्वाचन आयोग पर पक्षपात के गम्भीर आरोप लगाये तथा कहा कि पश्चिम बंगाल में जो हुआ है, उसे समाजवादी लोग उत्तर प्रदेश में पहले ही भोग चुके हैं। अखिलेश यादव ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की १४३ विधानसभा सीट पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत **20—20** हजार से ज्यादा वोट काटे गये तथा उनमें से ६१ सीट भाजपा जीत गयी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रदेश में चार करोड़ वोट कट जाने सम्बन्धी पहले के एक बयान की तरफ इशारा करते हुए कहा, ''आपको याद होगा कि यहां

भाजपा के लोग घबरा गए थे, जब उनका वोट कटा और कहा कि हमारा चार करोड़ वोट कट गया। आखिर उन्हें कैसे पता कि उन्हीं का वोट कट गया है। इसका मतलब यह है कि बंगाल में जो–जो अनुभव इन्होंने प्राप्त किया है, उससे भी बड़ा कोई काम यह उत्तर प्रदेश के (आगामी विधानसभा) चुनाव में करेंगे।'' सपा प्रमुख ने कहा कि 'बहु–स्तरीय चुनावी माफिया' मिलकर शोध करेंगे और उत्तर प्रदेश विधानसभा के अगले चुनाव के लिए कोई नयी तैयारी करेंगे, क्योंकि उन्होंने जो बंगाल में किया, वह तो सबके सामने आ गया। हालांकि, यादव ने अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की 'ऐतिहासिक जीत' का भरोसा जताते हुए कहा, ''वर्ष २०२७ में 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) ऐतिहासिक जीत हासिल करने जा रहा है। उत्तर प्रदेश की जनता चुनाव लड़ेगी, कार्यकर्ता चुनाव लड़ेगा और हमारा संगठन चुनाव लड़ेगा।'' पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का एक दफ्तर जलाए जाने और उसके कार्यकर्ताओं से मारपीट किए जाने की घटना से संबंधित एक सवाल पर सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा जो कर रही है वह लोकतंत्र को कमजोर करने वाला है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा, ''अगर किसी पार्टी की नयी सरकार बनती है तो क्या आप पूर्ववर्ती सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ताओं की जान ले लेंगे? क्या आप कार्यालय जला देंगे? दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी (भाजपा) विश्व को क्या सीख दे रही है?'' चुनाव हारने के बावजूद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफा नहीं देने के ऐलान के बारे में पूछे जाने पर यादव ने कहा, ''जब चुनाव ही लूट लिया गया तो वह क्यों इस्तीफा देंगी। हम उनसे मिलेंगे तो बातचीत होगी। अभी मैं क्या कह सकता हूं।'' 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) से जुड़ाव के बारे में पूछे गये एक सवाल पर यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी 'इंडिया' गठबंधन के साथ अपना जुड़ाव जारी रखेगी, लेकिन इस बार 'पीडीए' भाजपा को समूल उखाड़ फेंकेगा।''

लखनऊ में जमीन हड़पने की साजिश का पर्दाफाश, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाले प्रॉपर्टी डीलर समेत दो गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के दक्षिणी जोन के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में जमीन हड़पने के लिए रची गई सनसनीखेज साजिश का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने एक प्रॉपर्टी डीलर और उसकी महिला सहयोगी को गिरफ्तार किया है, जिन पर एक व्यक्ति को नशीला पदार्थ पिलाकर अचेत करने, अश्लील वीडियो बनाने और उसे ब्लैकमेल कर जमीन अपने नाम कराने की साजिश रचने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, मोहारीकला, गोसाईंगंज निवासी रीता सैनी की तहरीर पर १ मई २०२६ को मु०अ०सं० २७६/२०२६ दर्ज किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपियों ने संगठित गिरोह बनाकर उनके पति हरिओम शिव वनमाली को बहाने से बुलाया, नशीला पदार्थ देकर अचेत किया और फिर अश्लील फोटो–वीडियो बनाकर जमीन हड़पने के लिए ब्लैकमेल करने की योजना बनाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने सरयू अपार्टमेंट, सुशांत गोल्फ सिटी में दबिश देकर सुनील शुक्ला और आकांक्षा पांडेय को गिरफ्तार कर

लिया। मौके से घटना में प्रयुक्त काले रंग की फॉर्च्यूनर (**UP32PT2575**) भी बरामद की गई है। पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे "शुभ मंगलम इंफ्रा" के नाम से मोहारीकला क्षेत्र में प्रॉपर्टी का कारोबार करते हैं। गांव निवासी हरिओम शिव वनमाली की जमीन खरीदने को लेकर बातचीत चल रही थी। आरोप है कि जमीन दिलाने के नाम पर काफी खर्च करने के बावजूद जब हरिओम की पत्नी रीता सैनी ने जमीन देने से इनकार कर दिया, तब आरोपियों ने साजिश रची। पुलिस के मुताबिक, २८ अप्रैल २०२६ को आरोपी सुनील शुक्ला, आकांक्षा पांडेय, राजू और नरेंद्र कुमार ने मिलकर हरिओम शिव वनमाली को बुलाया। उसे अपनी फॉर्च्यूनर गाड़ी में बैठाकर पहले शराब पिलाई गई, फिर शराब में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे अचेत कर दिया गया। इसके बाद आरोपियों ने उसे सैनिक गेस्ट हाउस ले जाकर उसकी अचेत अवस्था में आकांक्षा पांडेय के साथ अश्लील वीडियो और फुटेज तैयार किए। योजना यह थी कि अगले दिन होश में आने के बाद हरिओम और उसके परिवार को वीडियो दिखाकर बलात्कार के मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जाएगी और इसी दबाव में जमीन अपने नाम कराई जाएगी। हालांकि आरोपियों की योजना उस समय विफल हो गई जब पीड़ित की पत्नी रीता सैनी ने सूझबूझ दिखाते हुए पुलिस में मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस ने इस मामले में निम्न दो आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं– सुनील शुक्ला (३५ वर्ष), निवासी पटेल नगर, नीलमथा, थाना सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ आकांक्षा पांडेय (३० वर्ष), निवासी सरयू इनक्लेव, सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ, मामले में दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं। राजू, निवासी मोहारीकला, गोसाईंगंज नरेंद्र कुमार, निवासी मोहारीकला, गोसाईंगंज पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। सुनील शुक्ला पर पहले से दर्ज हैं कई मुकदमे पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी सुनील शुक्ला के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसके विरुद्ध तीन अभियोग पंजीकृत हैं, जबकि आकांक्षा पांडेय के खिलाफ इस मामले सहित एक मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों को संबंधित धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष रिमांड हेतु पेश किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है और फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है। इस सनसनीखेज खुलासे ने राजधानी में प्रॉपर्टी कारोबार की आड़ में चल रहे आपराधिक षड्यंत्रों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राजधानी लखनऊ में दिनदहाड़े दबंगईः बीच सड़क युवक से मारपीट, कार का शीशा तोड़ा, वीडियो वायरल

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के **PGI** थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े दबंगई का मामला सामने आया है। वृंदावन इलाके में सफेद रंग की भ्वदकं ब्पजल सवार कुछ युवकों ने बीच सड़क जमकर हंगामा किया और एक कार चालक के साथ मारपीट कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दबंगों ने एक **Maruti Suzuki Alto** कार को ओवरटेक कर बीच सड़क रोक लिया। इसके बाद कार चालक

को बाहर निकालकर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। हमलावरों ने मारपीट के दौरान ऑल्टो कार का शीशा भी तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि हमलावर जिस कार में सवार थे, उसका नंबर **UP32 JA** ४३७७ है। घटना के दौरान सड़क पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, हमलावरों के डर से कोई भी राहगीर पीड़ित की मदद के लिए आगे नहीं आया। घटना के दौरान वहां मौजूद एक राहगीर ने पूरी वारदात अपने मोबाइल फोन में कैद कर ली। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने राजधानी की कानून–व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि व्यस्त इलाके में खुलेआम हुई इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। फिलहाल, पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान और तलाश में जुटी है।

बंगाल में अमित शाह चुनवाएंगे सीएम!

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में चुनाव जीतने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने नौ मई को अपनी सरकार बनाने का फैसला किया है। पार्टी ने तय किया है कि भव्य समारोह में पश्चिम बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों की शपथ होगी। भाजपा का पहला सीएम कौन होगा, इसका फैसला अगले दो से तीन दिन में होगा। भाजपा ने विधायक दल के नेता का चयन करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। उनके साथ ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी भी केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाए गए हैं। गौरतलब है कि सोमवार, चार मई को आए नतीजे में भाजपा ने २०६ सीटें जीती हैं। राज्य में बहुमत का जादुई आंकड़ा १४८ सीट का है। बहरहाल, अमित शाह की मौजूदगी में भाजपा विधायक

दल का नेता चुना जाएगा। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के अलावा कई नेताओं के नाम की चर्चा है। शामिक भट्टाचार्य से लेकर दिलीप घोष और सुकांत मजूमदार से लेकर महिला नेता अग्निमित्रा पॉल तक के नाम की चर्चा है। पहले कहा जा रहा था कि भाजपा सात मई को गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर के जन्मदिन के दिन ही शपथ ग्रहण करा सकती है। लेकिन अब कहा जा रहा है कि नौ मई को नई सरकार शपथ लेगी। बहरहाल, भाजपा ने पश्चिम बंगाल के साथ साथ असम और पुडुचेरी में विधायक दल के नेता का चुनाव करने के लिए भी पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा को असम के लिए पर्यवेक्षक बनाया गया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उनके साथ पर्यवेक्षक होंगे। पुडुचेरी के लिए केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया को पर्यवेक्षक और निर्मल कुमार को सह पर्यवेक्षक बनाया गया है।

टीवीके विधायकों ने विजय को चुना नेता

चेन्नई। दो साल पहले पार्टी बना कर पहला चुनाव लड़ने उतरे तमिल फिल्मों के सुपर सितारे जोसफ विजय चंद्रशेखर को उनकी पार्टी टीवीके विधायक दल का

नेता चुना गया है। इस बीच चुनाव नतीजे आने के एक दिन बाद मंगलवार को एमके स्टालिन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। बहरहाल, मंगलवार की सुबह से विजय की पार्टी के विधायकों का चेन्नई पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। विधायकों की बैठक में विजय को नेता चुना गया। हालांकि मंगलवार की देर शाम तक उन्होंने सरकार बनाने का दावा नहीं पेश किया था। गौरतलब है कि सोमवार को आए चुनाव नताजों में टीवीके को सबसे ज्यादा १०८ सीटें मिली हैं। हालांकि राज्य में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा ११८ सीटों का है। माना जा रहा है कि कांग्रेस के पांच और कुछ अन्य छोटी पार्टियों के समर्थन से विजय की सरकार बनेगी। पिछले छह दशक से ज्यादा समय से तमिलनाडु की राजनीति पर नियंत्रण रखने वाली दोनों पार्टियां इस बार चुनाव हार गईं। डीएमके को ५६ और अन्ना डीएमके को ४७ सीटें मिली हैं। इन बड़ी पार्टियां के समर्थन से विजय के सरकार बनाने की संभावना नहीं है। वे कांग्रेस, पीएमके, मुस्लिम लीग और लेफ्ट पार्टियों के समर्थन से सरकार ब ना सकते हैं और इन पार्टियों के विधायकों को सरकार में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा वे अल्पमत की सरकार भी चला सकते हैं। कोई भी पार्टी अभी उनकी सरकार को अस्थिर करने या गिराने की कोशिश नहीं करेगी। वे राज्यपाल के यहां सरकार बनाने का दावा करेंगे तो उनको सरकार बनाने का न्योता मिलेगा। बहरहाल, इससे पहले मंगलवार को डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी की हार के बाद उन्होंने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मिल कर अपना इस्तीफा सौंपा। राज्यपाल ने उनको नई सरकार के गठन तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के तौर पर काम करने को कहा। गौरतलब है कि स्टालिन भी चुनाव हार गए हैं। स्टालिन को कोलाथुर सीट से टीवीके के वीएस बाबू ने हरा दिया।

ईरान से लड़ना नहीं चाहता अमेरिका

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान दोनों कह रहे हैं कि वे युद्ध नहीं चाहते हैं लेकिन दोनों अपनी पोजिशन से पीछे नहीं हटना चाहते हैं। ईरान ने कहा है कि अमेरिका होर्मुज की खाड़ी में जहाजों को निकालने का जो सिस्टम बनाना चाह रहा है वह सुरक्षित नहीं है। दूसरी ओर अमेरिका ने कहा है कि वह ईरान से नहीं लड़ना चाहता है। लेकिन साथ ही यह भी कहा है कि होर्मुज की खाड़ी में जहाजों की सुरक्षा जरूरी है। गौरतलब है कि अमेरिका ने अपनी नौसेना के जरिए जहाजों को सुरक्षा देकर होर्मुज की खाड़ी से निकालने की बात कही है, जिसके बाद खबर आई थी कि ईरान ने अमेरिका नौसेना के जहाज पर मिसाइल दागी। बहरहाल, अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने व शिंगटन में कहा है कि अमेरिका ईरान के साथ लड़ाई नहीं चाहता, लेकिन होर्मुज में जहाजों की सुरक्षा जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट फ्रीडम के तहत अमेरिका की सेना होर्मुज में काम कर रही है, ताकि जहाज सुरक्षित तरीके से आवागमन कर

सकें। हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका का मकसद ईरान के 'गैरकानूनी दबाव' को खत्म करना है, जो वह इस समुद्री रास्ते पर बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने यह भी साफ किया कि अमेरिका को इस मिशन के लिए ईरान के हवाई क्षेत्र या समुद्री सीमा में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गौरतलब है कि प्रोजेक्ट फ्रीडम के लिए अमेरिका ने होर्मुज में अपना बड़ा युद्धपोत यूएसएस ज र्ज एचडब्ल्यू बुश भेजा है। दूसरी ओर ईरान ने कहा कि अमेरिका ने होर्मुज में जो नया समुद्री रास्ता बताया जा रहा है, वह सुरक्षित नहीं है। यह रास्ता पत्थरों से भरा हुआ और उथला है, जिससे जहाजों के लिए खतरा बढ़ गया है। गौरतलब है कि अमेरिका के नेतृत्व वाले ज इंट मैरिटाइम इन्फ र्मेशन सेंटर ने जहाजों को सलाह दी है कि वे ओमान के समुद्री इलाके से होकर गुजरें, जहां एक सुरक्षित क्षेत्र बनाया गया है। लेकिन ईरान की मीडिया ने बताया है कि इस नए रास्ते से जाने की कोशिश कर रहे दो व्यापारिक जहाज बीच में ही फंस गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ओमान के तट के पास का समुद्र पत्थरीला है, इसलिए जहाज न आगे बढ़ पा रहे हैं और न ही वापस लौट पा रहे हैं।

बंगाल में संवैधानिक गतिरोधः चुनाव हारने के बाद भी ममता का इस्तीफे से इनकार, कहा– 'साजिश से हराया गया'

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी को मिली भारी भरकम जीत के एक दिन बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक नया संकट खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा है कि वे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगी। ममता ने कहा है कि लोकभवन जाकर राज्यपाल को इस्तीफा नहीं देंगी क्योंकि वे मानती हैं कि वे हारी नहीं हैं, बल्कि उनको हराया गया है। ममता ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा, 'मैं सीएम पद से इस्तीफा नहीं दूंगी। हम जनादेश से नहीं, साजिश से हारे हैं। इसलिए इस्तीफा देने लोकभवन नहीं जाऊंगी'। उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता के कहने से कुछ नहीं होता है। सब कुछ संविधान में लिखा हुआ है। ममता के इस बयान से संवैधानिक संकट खड़ा हो जाएगा। परंपरा के मुताबिक ममता बनर्जी को चुनाव हारने के बाद राज्यपाल को इस्तीफा सौंप देना चाहिए और अगली व्यवस्था होने तक राज्यपाल के आदेश पर कार्यवाहक मुख्यमंत्री की भूमिका निभाना चाहिए। संविधान के अनुच्छेद १६४ में मुख्यमंत्री और मंत्रियों की नियुक्ति और उन्हें हटाने का प्रावधान है। उसमें साफ लिखा है कि राज्यपाल की कृपा तक मुख्यमंत्री अपने पद पर रहेगा। अगर ममता बनर्जी इस्तीफा नहीं देती हैं तो राज्यपाल उनको बरखास्त कर सकते हैं। गौरतलब है कि सात मई को मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो रहा है और नई विधानसभा में ममता बनर्जी की पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। बहरहाल, ममता बनर्जी मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस

में कहा, 'चुनाव आयोग असली विलेन है। उसने भाजपा के साथ मिलकर एक सौ सीटें लूटीं। अब मेरे पास कोई कुर्सी नहीं है, मैं आजाद पंछी हूं। कहीं से भी चुनाव लड़ सकती हूं, सड़कों पर रहूंगी'। ममता ने आरोप लगाते हुए कहा, 'भाजपा ने काउंटिंग सेंटरों पर कब्जा कर लिया था। मेरे साथ बदसलूकी की। उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं के साथ अत्याचार किया'। यह आरोप उन्होंने वोटों की गिनती के दौरान सोमवार को भी लगाए थे। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे सोमवार को आए। बंगाल में भाजपा ने २६३ में से २०७ सीटें जीत ली हैं। तृणमूल कांग्रेस को ८० सीटें मिली हैं। विपक्षी नेताओं के साथ होने का दावा करते हुए ममता ने मंगलवार की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'पार्टी और इंडिया गठबंधन के नेता मेरे साथ हैं। हम फिर से उभरेंगे और शेर की तरह लड़ेंगे'। उनके साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनकी सरकार के वरिष्ठ मंत्री फिरहाद हाकिम और ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी भी मौजूद थे। ममता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्र सरकार, भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा, 'वे ऑफिशियली हमें हरा सकते हैं, लेकिन नैतिक रूप से हम चुनाव जीते हैं। चुनाव से दो दिन पहले हमारे लोगों को गिरफ्तार किया गया। जगह जगह छापे मारे गए। आईपीएस व आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री इसमें सीधे तौर पर शामिल हैं। मैंने राजीव गांधी, मनमोहन सिंह, वाजपेयी सहित कई सरकारें देखीं, लेकिन ऐसा अत्याचार कभी नहीं देखा'।

भाजपा ने अमित शाह को बनाया पश्चिम बंगाल का केंद्रीय पर्यवेक्षक

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली प्रचंड जीत के बाद अब प्रदेश में नई सरकार के गठन की तैयारी तेज हो गई है। इसी क्रम में अब भाजपा ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पश्चिम बंगाल में केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इसके अलावा ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी केंद्रीय सह–पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इसकी जानकारी भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से प्रेस विज्ञप्ति के जरिए दी गई है। इसमें बताया गया है कि भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड ने पश्चिम बंगाल में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव हेतु केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को केंद्रीय सह–पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। अमित शाह और ओडिशा के सीएम माझी मिलकर राज्य में विधायक दल की बैठक और नेतृत्व

चयन की प्रक्रिया को पूरा कराएंगे। बता दें कि पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए भाजपा पहली बार सरकार बनाने जा रही है। चुनाव आयोग के मुताबिक, बंगाल में भाजपा को २०७ सीटें मिली है, जबकि ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पार्टी को ८० सीटों पर जीत मिली है। इसके अलावा कांग्रेस को दो, सीपीआई (एम) को एक सीट मिली है। इसके साथ ही भाजपा ने असम में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। वहीं, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को केंद्रीय सह–पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। असम में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जीत की हैट्रिक लगाई है। एनडीए ने १२६ विधानसभा सीटों में १०२ सीटों पर जीत दर्ज की। भाजपा ने ८२ सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि उसके सहयोगी दलों बोडो पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) और असम गण परिषद (एजीपी) को १०–१० सीट पर जीत मिली है। वहीं कांग्रेस पार्टी को १६ सीटों पर जीत मिली है।

रसोई गैस की बिक्री 16 फीसदी गिरी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे संकट की वजह से भारत में तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हुई है। इसका असर भारत में रसोई गैस की बिक्री और खपत पर दिख रहा है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत में रसोई गैस की बिक्री १६ फीसदी कम हो गई है। इसका सीधा अर्थ है कि गैस की सप्लाई में कम से कम इतने की कमी जरूर आई है। हालांकि सरकार कहती रही है कि तेल और गैस की आपूर्ति में कोई समस्या नहीं है। लेकिन सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल में एलपीजी की खपत १६.१६ फीसदी कम हुई है। पिछले साल यानी २०२५ के अप्रैल महीने में एलपीजी की खपत २.६२ मिलियन टन थी, जो इस साल अप्रैल में कम होकर २.२ मिलियन टन रह गई है। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल, पीपीएसी के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च महीने के मुकाबले भी अप्रैल में कमी आई है। मार्च में २.३७६ मिलियन टन की खपत हुई थी। गौरतलब है कि आपूर्ति कम होने के चलते सरकार को होटलों और इंडस्ट्रीज के लिए दी जाने वाली कॉमर्शियल सप्लाई में कटौती करनी पड़ी है ताकि घरों में रसोई गैस की कमी न हो। इसके अलावा सरकार ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में भी भारी बढ़ोतरी की है। ध्यान रहे भारत अपनी जरूरत का करीब ६० फीसदी एलपीजी आयात करता है। इसका बड़ा हिस्सा होर्मुज की खाड़ी के रास्ते भारत आता है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव और अमेरिकी हमलों के बाद यह समुद्री रास्ता लगभग बंद हो गया है। आपूर्ति कम होने की वजह से सरकार ने रसोई गैस की बुकिंग के नियम बदले। शहरों में २१ दिन और ग्रामीण इलाकों में ४५ दिन के बाद ही बुकिंग का नियम बनाया गया। इसके अलावा कीमत बढ़ाई गई, जिसके बाद दिल्ली में कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत तीन हजार रुपए से ज्यादा हो गई।

कतर के पास गायब हुआ अमेरिका का विमान

नई दिल्ली। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले भले थम गए हैं लेकिन पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है और इस तनाव के बीच अमेरिका का एक विमान लापता हो गया है। हवा में ही दूसरे विमानों में ईंधन भरने के लिए इस्तेमाल होना वाला अमेरिकी वायु सेना का केसी १३५ स्ट्रैटोटैंकर विमान कतर के वायु क्षेत्र में लापता हो गया। बताया जा रहा है कि कतर के ऊपर इमरजेंसी सिग्नल देने के बाद विमान लापता हो गया। इस विमान को 'फ्लाइंग गैस स्टेशन' कहा जाता है। ईरान की मीडिया ने सूत्रों के हवाले से कहा कि इस मामले में ईरान की कोई भूमिका नहीं है। मीडिया ने बताया कि विमान ने उड़ान के दौरान '७७००' इमरजेंसी सिग्नल भेजा। यह सिग्नल तब दिया जाता है जब विमान में कोई गंभीर समस्या हो। बताया गया है कि यह

अमेरिकी विमान संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई के अल धफरा एयर बेस से उड़ा था और फारस की खाड़ी के ऊपर उड़ रहा था। इसी दौरान कतर के पास उसका सिग्नल कुछ समय के लिए गायब हो गया। फ्लाइट डेटा के मुताबिक, विमान कुछ देर तक आसमान में चक्कर लगाता रहा और फिर नीचे उतरने लगा। अभी तक यह साफ नहीं है कि विमान में क्या खराबी आई थी। यह भी नहीं पता कि यह कोई तकनीकी समस्या थी या कुछ और। अमेरिका ने इसे लेकर कोई जानकारी नहीं दी है। गौरतलब है कि युद्ध के दौरान ईरान ने अमेरिका के लड़ाकू जहाज को मार गिराया था। लेकिन अभी युद्धविराम है और इस समय ईरान अपनी ओर से कोई भड़काऊ काम नहीं करेगा। तभी माना जा रहा है कि तकनीकी समस्या के कारण विमान कहीं क्रैश हुआ है।

UP RERA का बड़ा फैसला : अब मात्र १,००० रुपये में ट्रांसफर होगा फ्लैट, बिल्डरों की मनमानी खत्म

लखनऊ। उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (उप्र रेरा) ने एक अहम फैसले में मूल आवंटनकर्ता की मृत्यु होने पर उसके कानूनी वारिसों को फ्लैट हस्तांतरित करने के लिए अधिकतम शुल्क एक हजार रुपये तय किया है। उप्र रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने बुधवार को बताया कि अब विकासकर्ता या प्रवर्तक को मृतक आवंटी के जीवनसाथी, बेटे या बेटी को एक हजार रुपये के मामूली शुल्क लेकर फ्लैट हस्तांतरित करना होगा। भूसरेड्डी ने यूपी रेरा के १० साल पूरे होने पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्राधिकरण को कई शिकायतें मिली थीं जिनमें बिल्डर कथित तौर पर ऐसे हस्तांतरण के लिए मनमाना शुल्क वसूल रहे थे और कभी–कभी यह धनराशि लाखों रुपये तक पहुंच जाती थी। भूसरेड्डी ने कहा, श्श्कुछ मामलों में शुल्क २०० रुपये से लेकर एक हजार रुपये प्रति वर्ग फुट तक होती थी, जिससे कुल रकम २५–३० लाख रुपये तक पहुंच जाती थी। यह गलत है, खासकर तब जब आवंटनकर्ता पहले ही फ्लैट की पूरी कीमत चुका हो।श्श्उन्होंने कहा कि इन शिकायतों के बाद प्रशासनिक और मानक शुल्क से सम्बन्धित नियम ४७ को संशोधित किया गया है ताकि उत्तराधिकार या आवंटन हस्तांतरण के मामलों में प्रवर्तकों द्वारा लिये जाने वाले शुल्क को नियंत्रित किया जा सके। भूसरेड्डी ने बताया कि संशोधित प्रावधानों के तहत खून के रिश्तों में आने वाले कानूनी वारिसों को फ्लैट हस्तांतरण करने पर अधिकतम एक हजार रुपये का प्रसंस्करण शुल्क लगेगा। उन्होंने बताया कि कानूनी वारिस को मूल आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, किसी सक्षम अधिकारी द्वारा जारी उत्तराधिकार प्रमाण पत्र और अन्य कानूनी वारिसों से अनापत्ति प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज जमा करने होंगे। भूसरेड्डी ने कहा कि परिवार के बाहर के लोगों को फ्लैट हस्तांतरित करने पर अधिकतम २५ हजार रुपये शुल्क लिया जा सकता है लेकिन ऐसे मामलों में कोई नई बिक्री विलेख या पट्टा समझौता नहीं किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इस कदम का मकसद बिल्डरों द्वारा की जाने वाली गलत हरकतों पर रोक लगाना और आवंटनकर्ता की मृत्यु के बाद संपत्ति के अधिकारों के हस्तांतरण के लिए एक पारदर्शी और मानक प्रक्रिया सुनिश्चित करना है।

मंदिरों-पार्कों के सुंदरीकरण के लिए २४ परियोजनाएं स्वीकृत, ३३ करोड़ से अधिक का बजट मंजूर

लखनऊ। फिरोजाबाद जनपद में पर्यटन के विकास के लिए सरकार ने खजाना खोला है। जनपद की विधानसभा क्षेत्रों में स्थित धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थलों के विकास के २४ परियोजनाएं स्वीकृत की गई है। इन परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए ३३६१ लाख रुपए की धनराशि जारी की जा रही है। परियोजना संबंधी कार्यों को पूरा करने के लिए यूपीपीसीएल को कार्यदाई संस्था बनाया गया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि टुंडला में स्थित गोगा जी काली मंदिर पिपरौली के पर्यटन विकास के लिए ७० लाख रुपये, फिरोजाबाद पसीने वाले हनुमान जी मंदिर के लिए ६५ लाख रुपये, शिकोहाबाद के नगला केवल स्थित श्री ब्रहमदेव शिव जी तथा बजरंगबली मंदिर के लिए १२० लाख रुपये, शिकोहाबाद के ही विधानसभा क्षेत्र में स्थित आबगंगा मंदिर के विकास के लिए ३५ लाख रुपए, टुण्डला ग्रामगढ़ी हंसराम ब्लाक नारखी में स्थित शिवमंदिर के पर्यटन विकास के लिए ६० लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। विधानसभा क्षेत्र में शिव मंदिर के पर्यटन विकास कार्य हेतु ८० लाख रुपये, टुण्डला में ही ग्राम बड़ागांव में स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर के लिए ०१ करोड़ रुपए, टुण्डला ग्राम कनवार स्थित सिद्धकाली माता मंदिर के लिए १३० लाख रुपये, सिरसागंज स्थित प्राचीन पथवारी माता मंदिर के लिए ११० लाख रुपये, सिरसागंज के ही कुदरिया वाले महाराज आश्रम के लिए ०१ करोड़ रुपये, सिरसागंज में हनुमान मंदिर के पर्यटन विकास के लिए १३० लाख रुपये, सिरसागंज में ग्राम जायनई माता मंदिर के लिए १३० लाख रुपये तथा सिरसागंज के ही रामकृष्ण धाम मंदिर (गंगा सागर गरियारी) के पर्यटन विकास के लिए ७० लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके

अलावा सिरसागंज स्थित अम्बेडकर पार्क के पर्यटन विकास के लिए ७० लाख रुपये, सिरसागंज के ही रामकंठ आश्रम के पर्यटन विकास के लिए ०१ करोड़ रुपये, सिरसागंज स्थित ऐतिहासिक श्री राधाकृष्ण मंदिर के पर्यटन विकास के लिए ६० लाख रुपये, सिरसागंज के ही ग्राम मावली में वेद उपवन पार्क के लिए ७५ लाख रुपये, सिरसागंज के ही अकबरपुर में स्थित नीमकरौरी बाबा की जन्मस्थली पर पर्यटन सुविधाओं के लिए १४५ लाख रुपये, सिरसागंज के विकास खण्ड फिरोजाबाद के ग्राम करहरा में ग्रामीण पर्यटन विकास के लिए २० लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

उत्तर प्रदेश में 'जनगणना २०२७' की तैयारियां तेज, ५.२५ लाख से अधिक कर्मी तैनातय ७ से २१ मई तक स्व–गणना का विकल्प

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 'जनगणना २०२७' को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता में जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश की निदेशक एवं मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी श्रीमती शीतल वर्मा ने जनगणना की पूरी प्रक्रिया, समय–सारिणी और व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनगणना के दौरान एकत्र की जाने वाली प्रत्येक व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय रहेगी और इसका उपयोग किसी भी जांच, कर निर्धारण अथवा साक्ष्य के रूप में नहीं किया जा सकेगा। श्रीमती वर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में जनगणना का कार्य दो चरणों में संपन्न कराया जाएगा। प्रथम चरण के अंतर्गत २२ मई २०२६ से २० जून २०२६ तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की जाएगी, जबकि द्वितीय चरण में फरवरी २०२७ के दौरान जनसंख्या गणना का कार्य पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे पहले ७ मई से २१ मई २०२६ के बीच प्रदेश में स्व–गणना की सुविधा उपलब्ध

रहेगी। इसके तहत इच्छुक व्यक्ति **se-census-gov-in** पर जाकर स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि स्व–गणना पूरी तरह वैकल्पिक है, अनिवार्य नहीं। इसके बावजूद निर्धारित अवधि में प्रत्येक घर तक प्रगणक पहुंचकर जानकारी अवश्य दर्ज करेंगे। मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी ने कहा कि देश में पहली बार जनगणना का कार्य पूर्णतः डिजिटल माध्यम से संपन्न कराया जाएगा। स्व–गणना पूरी होने के बाद नागरिकों को **SE ID** प्राप्त होगी, जिसे २२ मई से २० जून २०२६ के बीच घर आने वाले प्रगणक को उपलब्ध कराना होगा। प्रगणक द्वारा पुष्टि किए जाने के बाद ही संबंधित मकान का सूचीकरण पूर्ण माना जाएगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए ५.२५ लाख से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इसमें १८ मंडल जनगणना अधिकारी, ७५ प्रमुख जनगणना अधिकारी, १७ अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी, ६०० जिला स्तरीय अधिकारी, ११६५ चार्ज अधिकारी, २८५ मास्टर ट्रेनर्स, ६६३६ फील्ड ट्रेनर्स के साथ–साथ लगभग ५ लाख प्रगणक और पर्यवेक्षक शामिल हैं। श्रीमती शीतल वर्मा ने बताया कि प्रदेश के ७५ जिलों, ७८३ नगरीय निकायों, ३५० तहसीलों और लगभग १.०४ लाख ग्रामों में जनगणना का कार्य संपादित किया जाएगा। इसके लिए राज्य में ३५० ग्रामीण चार्ज और ८४५ नगरीय चार्ज बनाए गए हैं। इन चार्जों के अंतर्गत लगभग ३.६० लाख मकान सूचीकरण ब्लॉक तैयार किए गए हैं, जहां प्रगणक घर–घर जाकर सूचनाएं संकलित करेंगे। उन्होंने कहा कि जनगणना के दौरान भारत में निवासरत प्रत्येक व्यक्तिंचाहे वह नागरिक हो या गैर–नागरिकों की गणना की जाती है। यह पूरा कार्य जनगणना अधिनियम १९४८ तथा जनगणना नियमावली १९६० के प्रावधानों के तहत किया जाता है। मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी ने भरोसा दिलाया कि जनगणना में दी गई व्यक्तिगत सूचनाएं पूर्णतः सुरक्षित और गोपनीय रहेंगी। उन्होंने कहा कि टैक्स विभाग, पुलिस या अन्य किसी जांच एजेंसी द्वारा इन आंकड़ों का उपयोग नहीं किया जा सकता। इन सूचनाओं का उपयोग केवल समेकित आंकड़ों के रूप में विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी नीतियों और संसाधनों के बेहतर नियोजन के लिए किया जाएगा। जनगणना २०२७ से जुड़ी जानकारी और सहायता के लिए टोल फ्री नंबर १८५५ भी स्थापित किया गया है। प्रेस वार्ता के अंत में श्रीमती शीतल वर्मा ने मीडिया से अपील की कि वह जनगणना से जुड़ी सही जानकारी जन–जन तक पहुंचाने में सहयोग करे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह जनगणना कर्मियों को सही और सटीक जानकारी उपलब्ध कराए, ताकि प्रदेश और देश के विकास के लिए अधिक प्रभावी योजनाएं और नीतियां तैयार की जा सकें।

लखनऊ में शिक्षामित्र सम्मान समारोहः मानदेय वृद्धि, कैशलेस चिकित्सा और सम्मान के साथ सरकार ने दिया भरोसे का संदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षामित्रों के सम्मान में आज लखनऊ में भव्य "शिक्षामित्र सम्मान समारोह" आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के माननीय उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, बीकेटी से विधायक योगेश शुक्ला, मोहनलालगंज से विधायक अमरेश रावत, विधान परिषद सदस्य मुकेश, मंडलायुक्त तथा जिलाधिकारी लखनऊ द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। समारोह में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शिक्षामित्रों को बढ़े हुए मानदेय का प्रतीकात्मक डेमो चेक प्रदान किया। साथ ही, कैशलेस चिकित्सा व्यवस्था से आच्छादित होने वाले शिक्षामित्रों को सम्मानित भी किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षामित्रों को सरकार के परिवार का अभिन्न सदस्य बताते हुए कहा कि उनकी किसी भी आवश्यकता में सरकार सदैव उनके साथ खड़ी रहेगी। बीकेटी विधायक योगेश शुक्ला ने कहा कि शिक्षामित्र विद्यालय पहुंचने वाले प्रथम व्यक्ति होते हैं, जो विद्यालय के प्रबंधन और शैक्षिक गतिविधियों की

शुरुआत करते हैं। उन्होंने शिक्षामित्रों की प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी की सराहना की। मोहनलालगंज विधायक अमरेश रावत ने शिक्षामित्रों को बेसिक शिक्षा व्यवस्था की "रीढ़"

बताते हुए कहा कि प्राथमिक शिक्षा की मजबूती में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान अनेक शिक्षामित्रों को १८,००० रुपये के प्रतीकात्मक डेमो चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा मानदेय वृद्धि के माध्यम से शिक्षामित्रों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने शिक्षामित्रों से अपेक्षा की कि वे इसी उत्साह के साथ बेसिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते रहें। जिला समन्वयक प्रशिक्षण अवधेश शुक्ला ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय राजेश सिंह, विभिन्न विकासखंडों के खंड शिक्षा अधिकारी, एसआरजी, एआरपी तथा बड़ी संख्या में शिक्षामित्र उपस्थित रहे। समारोह ने स्पष्ट संदेश दिया कि उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षामित्रों के सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सुदृढ़ीकरण को लेकर गंभीर है।

अखिलेश यादव का आरोप- मुझे प्रसाद खिलाने वाले कर्मचारी को भाजपा के इशारे पर किया गया पदावनत

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पिछले महीने आंबेडकर जयंती पर हुए एक भंडारे में उन्हें प्रसाद देने वाले एक कर्मचारी को पदावनत कर सफाई कर्मी बनाये जाने को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर की गयी कार्रवाई करार देते हुए इस कदम की निंदा की। यहां सपा मुख्यालय में अखिलेश यादव की प्रेस वार्ता के दौरान आई अंजलि मैसी नाम की महिला ने दावा किया कि उसके पिता उमेश कुमार छावनी बोर्ड में सुपरवाइजर थे और उन्होंने पिछले महीने १४ अप्रैल को आंबेडकर जयंती पर एक भंडारे के दौरान सपा प्रमुख को प्रसाद दिया था। अंजलि ने आरोप लगाया कि इसके बाद उसके पिता को पदावनत कर सुपरवाइजर से सफाई कर्मी के पद पर तैनात कर दिया गया। अखिलेश यादव ने प्रेस वार्ता के दौरान इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि कर्मचारी के खिलाफ की गयी यह कार्रवाई श्दुर्भाग्यपूर्णश है। उन्होंने कहा कि वह गुरुद्वारे गए थे और एक 'भंडारे' में शामिल हुए लेकिन उससे पहले वह उस महिला को नहीं जानते थे। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि कर्मचारी को पदावनत करने की कार्रवाई भाजपा के लोगों के इशारे पर की गयी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह इस मामले में उच्च अधिकारियों से बात करेंगे। अंजलि मैसी ने कहा कि वह इस संवाददाता सम्मेलन में भाजपा की

गलत हरकतों को उजागर करने आई हैं। छावनी बोर्ड के कर्मचारी उमेश कुमार ने १४ अप्रैल को 'भंडारे' का आयोजन किया था और वरिष्ठ अधिकारियों को निमंत्रण भेजे। अधिकारियों का कहना है कि ऐसा करके कुमार ने सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन किया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'यह कार्रवाई इसलिए नहीं की गई कि उमेश ने अखिलेश यादव को प्रसाद दिया था बल्कि इसलिए की गई क्योंकि उन्होंने बोर्ड को बिना जानकारी दिए सीधे वरिष्ठ अधिकारियों को निमंत्रण पत्र भेजकर सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन किया था।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ लखनऊ की कालातीत ब्लॉक इकाइयों में चुनाव का ऐलान, १० मई को होंगे नामांकन

लखनऊ। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की जनपद लखनऊ शाखा की समस्त ब्लॉक इकाइयों के कालातीत हो जाने के बाद जिला कार्यसमिति ने इन इकाइयों में निर्वाचन कराने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में जनपद की सभी ब्लॉक इकाइयों के अध्यक्ष, मंत्री एवं कोषाध्यक्ष पदों के लिए निर्वाचन कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची का प्रकाशन ३० अप्रैल २०२६ को पूर्वाह्न १० बजे किया जा चुका है। निर्वाचन पर्यवेक्षक के रूप में प्रांतीय मंत्री एवं उन्नाव जिलाध्यक्ष श्री बृजेश पाण्डेय तथा निर्वाचन अधिकारी के रूप में मंडल लखनऊ के मंडलीय संगठन मंत्री श्री राजेश शुक्ला को नामित किया गया है। निर्वाचन कार्यक्रम के तहत सभी विकासखंडों के अध्यक्ष, मंत्री और कोषाध्यक्ष पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया १० मई २०२६ को प्रातः १० बजे से अपराह्न २ बजे तक संपन्न होगी। प्रत्याशियों की अंतिम सूची का प्रकाशन उसी दिन सायं ३ बजे किया जाएगा। नामांकन की प्रक्रिया उच्च प्राथमिक विद्यालय आलमबाग, बल्दी खेड़ा, पिकैडिली होटल के निकट, कानपुर रोड, लखनऊ स्थित जिला मुख्यालय पर संपन्न कराई जाएगी। संघ ने स्पष्ट किया है कि जनपद की सभी ब्लॉक इकाइयों के प्रत्याशियों

को यहीं नामांकन दाखिल करना होगा। यदि किसी ब्लॉक में मतदान की आवश्यकता हुई तो मतदान १५ मई २०२६ को संबंधित ब्लॉक के ब्लॉक संसाधन केंद्र पर अपराह्न १:३० बजे से सायं ४ बजे तक कराया जाएगा। मतदान समाप्त होते ही मतगणना होगी और मतगणना पूर्ण होने के बाद उसी दिन परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। निर्वाचन संबंधी दिशा–निर्देशों के अनुसार अध्यक्ष, मंत्री और कोषाध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र तभी वैध माना जाएगा, जब उस पर संबंधित ब्लॉक की मतदाता सूची के ५ प्रस्तावकों और ५ समर्थकों के हस्ताक्षर होंगे। प्रस्तावक और समर्थक निर्वाचन अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर अपने हस्ताक्षर की पुष्टि भी करेंगे। संघ की ओर से यह भी निर्धारित किया गया है कि किसी भी पद के लिए नामांकन शुल्क प्रति नामांकन पत्र २००० रुपये होगा। प्रदेश कार्यसमिति के निर्णय के अनुसार अध्यक्ष एवं मंत्री पदों के चुनाव में मतगणना के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाला प्रत्याशी यदि कुल मतदान का ३० प्रतिशत या उससे अधिक मत प्राप्त करता है, तो उसे संबंधित ब्लॉक की संघर्ष समिति का अध्यक्ष अथवा मंत्री घोषित किया जाएगा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, जनपद लखनऊ ने जनपद के समस्त शिक्षकों और सदस्यों से निर्वाचन कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

दुष्कर्म का आरोपी 6 घंटे में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। कोतवाली सदर क्षेत्र में नाबालिग बालिका से दुष्कर्म की घटना में शामिल आरोपी को पुलिस ने घटना के ६ घंटे के अंदर मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में आरोपी के पैर में गोली लगी है। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर ख्याति गर्ग के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक पवन गौतम के देखरेख एवं क्षेत्राधिकारी सदर विवेक तिवारी के नेतृत्व में कोतवाली सदर पुलिस और विशेष दस्ता की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। ५ मई की रात मुखबिर से सूचना मिली कि दुष्कर्म का आरोपी रामजीवन पुत्र रामदयाल निवासी ग्राम रत्तासराय रवही से सरैंचा जाने वाले रास्ते साईफन नहर मोड़ के पास छिपा है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को रोकने का प्रयास किया। आरोपी ने पुलिस पर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के पैर में लगी। उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। आरोपी के पास से एक तमंचा ३१५ बोर, एक जिंदा कारतूस ३१५ बोर और एक खोखा कारतूस बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ मुकदमा संख्या ०३५१/२०२६ धारा १०६(१) भारतीय न्याय संहिता व ३/२५ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। दुष्कर्म के मामले में पहले से मुकदमा संख्या ०३५०/२६ धारा ६५(२) भारतीय न्याय संहिता व ५/६ पाक्सो अधिनियम दर्ज है। गिरफ्तार आरोपी रामजीवन पुत्र रामदयाल निवासी ग्राम रत्तासराय थाना कोतवाली सदर जिला खीरी पुलिस टीम मे प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, निरीक्षक संचित कुमार, आरक्षी अमरजीत, आरक्षी फरमान अहमद। विशेष दस्ता टीम में निरीक्षक जयप्रकाश यादव, मुख्य आरक्षी सत्य प्रकाश यादव, मुख्य आरक्षी मनीष कुमार यादव, आरक्षी अरुण यादव, आरक्षी विकास चौहान, आरक्षी विकास यादव, आरक्षी सिकन्दर शामिल रहे।

शिक्षिका प्रशिक्षण वनवासी सेवा संस्थान की एक अनूठी पहल

पलिया कलां लखीमपुर खीरी। बुध ावार को इम्पैक्ट गुरूग्राम हरियाणा के तत्वावधान में उ०प्र० वनवासी सेवा संस्थान के द्वारा पूज्य ठक्कर बापा सेवा आश्रम, पलिया के प्रांगण में बालिका शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत समर्पित भाव से सेवारत गावों की शिक्षिकाओ के लिय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक ६ मई से १० मई तक आयोजित किया है। उद्घाटन समारोह में संस्था प्रमुख अजय कुमार चौबे ने बताया कि बालिका शिक्षा कार्यक्रम केवल बालिकाओं के लिए है। इन्ही बालिकाओं के पूर्णरूप से विकास के लिये पलिया ब्लाक के ६५ गांवो में बालिका शिक्षा केन्द्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा वर्ष २०१६ से दी जा रही है। जिसमें लगभग १०० बालिकाऐं उच्च शिक्षा के लिये अलग अलग स्कूलों मे दाखिला करवाया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि तनवीर, एच आर हेड बजाज हिन्दुस्थान शुगर पलिया व समाज सेवी रमाकांत पाण्डेय अध्यक्ष अजय कुमार चौबे संस्था सलाहकार के कर कमलो द्वारा दीप प्रज्वल्लित कर माँ सरस्वती राष्टपिता महात्मा गांधी एवं ठक्कर बापा के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर किया गया। उद्घाटन समारोह में पुष्पेन्द्र सिंह प्रोग्राम इंचार्ज द्वारा बालिका शिक्ष कार्यक्रम का विस्तृत परिचय एवं अतिथियों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया. संस्था प्रमुख अजय कुमार चौबे ने बताया कि बालिका शिक्षा कार्यक्रम केवल बालिकाओं के लिए है। इन्ही बालिकाओं के पूर्णरूप से विकास के लिये पलिया ब्लाक के ६५ गांवो में बालिका शिक्षा केन्द्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा वर्ष २०१६ से दी जा रही है। जिसमें लगभग १०० बालिकाऐं उच्च शिक्षा के लिये अलग अलग स्कूलों मे दाखिला

करवाया है। उन्होने बताया कि ये जो लर्निंग केन्द्र चल रहे है यह पूर्णतया सीएसआर फंडिग व लोगो के सहयोग और योगदान के चल रहा है। जिससे लगभग हर वर्ष ५००० लाभार्थी लाभान्वित हो रहे है। शिक्षिका दीपमाला ने बताया कि हमारे केन्द्रो में बच्चों के साथ–साथ माताओं को भी साक्षर बनाने का कार्य किया गया । जो माताऐं अंगूठा लगाती थी वह अब अपने हस्ताक्षर व छोटा–मोटा हिसाब भी कर लेती है। केन्द्र पर बालिकाओं को शिक्षित करने के अलावा ११वर्ष से १८ तक की १५ बालिकाओं को चयनित कर आरम्भ मंच की बैठक बनायी गई है जिसमें उन बालिकाओं को जीवन कौशल, स्वास्थ्य तथा साफ–सफाई पर चर्चा की जाती है। कार्यक्रम में आये महानुभावों ने बालिका शिक्षा कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी शिक्षिकाएं समाज सेवा में जो शिक्षा का दीप प्रज्वलित कर रही है वह अत्यंत ही सराहनिय कार्य है। समाजसेवी रामकांत पाण्डेय ने कहा कि आप लोग एक योधा है जो समाज में रहकर बच्चो की शिक्षा डे रही है तथा सभी वर्गों के लोगो के साथ मिलकर कार्य कर रही यह एक महिला सशक्तिकरण का जीता जागता उदाहरन है. उन्होंने कहा की पढाई के साथ साथ आरम्भ मंच की बालिकाओ को बाल विवाह, भ्रूण हत्या, जीवन कौशल के बारे में बताना अत्यंत ही सराहनीय कार्य है. इससे बालिकाओ में जीवन की सच्चाई व सही रस्ते पर चलने को अग्रसर करेंगी. संस्था सचिव अमित कुमार ने सभी का धन्यवाद अर्पित कर प्रशिक्षण की शुरुआत की. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पर्यवेक्षक अनिल कुमार, आसिफ अली, विकास कुमार, व ६५ शिक्षिकाएं उपस्थित रही, कार्यक्रमक का सफल संचालन संस्था सचिव अमित कुमार चौबे ने किया।

सांप के काटने से 3 साल के मासूम की मौत

लखीमपुर खीरी के पनाह क्षेत्र में एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां सांप के काटने से ३ साल के मासूम की मौत हो गई। मृतक की पहचान कमल मरेठिया के पुत्र के रूप में हुई है। इस हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और परिवार में कोहराम मचा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मासूम को अचानक घर के आसपास खेलते समय सांप ने काट लिया। परिजन घबराहट में बच्चे को बचाने के लिए इधर–उधर दौड़ते रहे और इलाज के प्रयास भी किए, लेकिन समय रहते उचित इलाज न मिल पाने के कारण उसकी जान नहीं बच सकी। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग भी इस घटना से बेहद दुखी हैं और परिवार को ढांढस बंध ा रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार सांपों का खतरा बढ़ता जा रहा है, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। लोगों ने मांग की है कि इलाके में साफ–सफाई, दवा छिड़काव और जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं और आपातकालीन व्यवस्था की कमी को उजागर कर दिया है।

दहेज उत्पीड़न का आरोप विवाहिता की संदिग्ध मौत

ससुराल पक्ष पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराने की मांग

लखीमपुर खीरी जिले में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है, जिसमें मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न और हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, बैबहा मुन्नूसिंह (थाना भीरा) निवासी रामजती ने अपनी पुत्री वैष्णवी का विवाह २५ फरवरी २०२६ को रोशननगर कुसमौरी (थाना गोला) निवासी रवि कुमार के साथ किया था। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष अतिरिक्त दहेज में मोटरसाइकिल और बेड की मांग कर रहा था। मांग पूरी न होने पर विवाहिता को लगातार प्रताड़ित किया जाता था और जान से मारने की धमकी दी जाती थी। मायके पक्ष का कहना है कि ५ मई २०२६ को संदिग्ध परिस्थितियों में वैष्णवी की मौत हो गई, जिसकी सूचना ससुराल पक्ष ने न देकर गांव के अन्य व्यक्ति द्वारा दी गई। आरोप है कि घटना के बाद भी ससुराल पक्ष ने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी और उन्हें गुमराह किया। परिजनों को जानकारी मिली कि शव को जिला अस्पताल से पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पीड़िता की मां ने कोतवाली गोला में प्रार्थना पत्र देकर पति रवि कुमार समेत सास, ससुर, जेठ, देवर व अन्य ससुरालीजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस की ढुलमुल रवैए से पीड़िता पूरा दिन लगाती रही चौकी और थाने का चक्कर नहीं मिली कोई मदद।

‘मतगणना नहीं, मनगणना हो रही’, अखिलेश ने २०२७ में जीत का किया दावा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए मतगणना की सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में ‘मतगणना नहीं, मनगणना’ हो रही है और २०२७ के विधानसभा चुनाव को लोकतंत्र बचाने की निर्णायक लड़ाई बताया। अखिलेश यादव ने लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस और पार्टी मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा पर चुनावी धांधली के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, ”डेमोक्रेसी खत्म नहीं हुई है, हमें उसे जिंदा रखना है। २०२७ में जनता और कार्यकर्ता मिलकर बड़ी जीत हासिल करेंगे। उन्होंने मतगणना प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसकी सीसीटीवी लाइव फुटेज सार्वजनिक की जानी चाहिए। ”कहीं ऐसा न हो कि ५ प्रतिशत का भंडाफोड़ करते–करते ६५ प्रतिशत का खेल सामने आ जाए। अखिलेश यादव ने दावा किया कि चुनावों में ‘मल्टी लेयर इलेक्शन माफिया’ सक्रिय है और कुंदरकी व रामपुर उपचुनाव में ‘वोटों की डकैती’ हुई। उन्होंने इसे भाजपा का ‘१० नंबरी मॉडल’ बताते हुए आरोप लगाया कि सत्ता में बने रहने के लिए चुनावी प्रक्रिया से छेड़छाड़ की जा रही है। पश्चिम बंगाल के संदर्भ में उन्होंने कहा कि वहां ‘वोट की शर्मनाक लूट’ हुई और प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग किया गया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वह गुरुवार को पश्चिम बंगाल जाएंगे और

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात करेंगे। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि इंडिया गठबंधन बरकरार रहेगा। चुनावी रणनीति को लेकर अखिलेश यादव ने बताया कि समाजवादी पार्टी ने चुनावी कंसल्टेंसी कंपनी आई पैक के साथ करार समाप्त कर दिया है। ”कुछ महीनों तक उन्होंने हमारे साथ काम किया, लेकिन अब फंड की कमी के कारण हम साथ काम नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने चुनावी सर्वे एजेंसियों और कंपनियों पर भी निशाना साधते हुए कहा, ”कुछ लोगों ने सलाह दी कि सी–वोटर, एवीएम और ३६० जैसी कंपनियों से जुड़िए, लेकिन ये सब भाजपा के लिए काम करती हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया, ”कुछ अंडरकवर अधिकारी एक विचारधारा के तहत काम कर रहे हैं, जिनका खुलासा किया जाएगा।” अखिलेश यादव ने कहा कि २०२७ का चुनाव लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई होगा। पीडीए का वोट सबसे ज्यादा है और भाजपा के पास उसका कोई जवाब नहीं है। चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने हल्के–फुल्के अंदाज में कहा, ”मैं कई ऋषि–मुनियों और ज्योतिषियों से मिला हूं। जो पंडित जी कहेंगे, वही करेंगे। २०१२ में सरकार बनी थी, २०२७ में फिर बनाएंगे।” इस दौरान उन्होंने महिलाओं के लिए पार्टी आधारित आरक्षण की वकालत करते हुए कहा कि पहले जातीय जनगणना होनी चाहिए और उसके आधार पर आबादी के अनुपात में आरक्षण लागू किया जाए।

‘हर वक्त फैसले लेना थका देता है’, मीरा राजपूत

मुंबई। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं कई भूमिकाएं निभाती हैं। ऐसे में मानसिक थकान और दबाव महसूस करना स्वाभाविक है। इसी विषय पर बात करते हुए मीरा राजपूत कपूर ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि महिलाओं को कभी–कभी हर छोटी–बड़ी जिम्मेदारी और फैसलों से दूर होकर खुद के लिए समय निकालना चाहिए, ताकि वे मानसिक रूप से हल्का महसूस कर सकें। मीरा राजपूत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने मायके में बिताए समय के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा अपने माता–पिता के घर पर रहना एक अलग तरह का सुकून देता है। मायके में मैं खुद को ज्यादा सहज महसूस करती हूं। यहां मुझे किसी तरह का दबाव महसूस नहीं होता। वीडियो में मीरा आगे कहती हैं काफी समय बाद मैं इस तरह खुलकर अपने मन की बात साझा कर रही हूं। जब मैं अपनी मां के घर पर थी, तब मुझे एहसास हुआ कि कुछ जगहें और रिश्ते ऐसे होते हैं, जो हमें बिना किसी शर्त

के सुकून देते हैं। इस अनुभव को शब्दों में पूरी तरह बयां करना मुश्किल है। मीरा ने कहा महिलाओं को हर समय फैसले लेने की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। दिनभर उन्हें यह तय करना होता है कि घर में क्या बनेगा, कौन कहां जाएगा, कौन सा काम पहले करना है और कौन सा बाद में। यह लगातार चलने वाली प्रक्रिया उन्हें मानसिक रूप से थका देती है। जब कुछ समय के लिए कोई उनसे कुछ नहीं पूछता, तो दिमाग को बहुत राहत मिलती है। उन्होंने आगे कहा महिलाएं सिर्फ फैसले ही नहीं लेतीं, बल्कि हर दिन कई विकल्पों में से सही चुनाव भी करती हैं। यह जिम्मेदारी बहुत बड़ी होती है और इसका असर मानसिक स्थिति पर पड़ता है। जब किसी महिला को कुछ समय के लिए इन सभी फैसलों और जिम्मेदारियों से छुटकारा मिलता है, तो उसे एक अलग ही तरह की शांति और सुकून महसूस होता है। यही वह समय होता है, जब वह खुद को फिर से ऊर्जा से भर पाती है।” मीरा ने महिलाओं को सलाह देते हुए कहा समय–समय पर खुद को ब्रेक देना बहुत जरूरी है। अगर संभव हो, तो कुछ समय के लिए फोन बंद कर देना चाहिए और सिर्फ उस पल को जीने की कोशिश करनी चाहिए। ऐसा करने से मन हल्का होता है और हम अपने आसपास की चीजों को ज्यादा गहराई से महसूस कर पाते हैं। उन्होंने कहा जीवन के छोटे–छोटे पल ही असली खुशी देते हैं। जैसे बच्चों को खेलते हुए देखना, माता–पिता के साथ बिना किसी काम के समय बिताना, उनके साथ टहलना या हंसना, ये सभी चीजें हमें अंदर से खुश करती हैं। जब हम इन पलों को बिना किसी चिंता के जीते हैं, तब हमें असली सुकून मिलता है। वीडियो के आखिर में मीरा राजपूत ने कहा महिलाएं अपने लिए ऐसी जगह, इंसान या माहौल जरूर ढूंढें, जहां उन्हें किसी तरह का दबाव महसूस न हो और जहां उन्हें फैसले लेने की जरूरत न पड़े। कभी–कभी खुद से कोई सवाल न पूछना और बस उस पल में जीना भी बहुत जरूरी होता है।

टीवी अभिनेता राहुल सिंह तोमर साइबर ठगी का शिकार

मुंबई। मुंबई में साइबर अपराध के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसी कड़ी में अब प्रसिद्ध टीवी अभिनेता राहुल सिंह तोमर भी इस ठगी का शिकार हो गए हैं। ठगों ने बड़ी चालाकी से अभिनेता को निशाना बनाया और उनके बैंक अकाउंट से ८५ हजार रुपए निकाल लिए। हालांकि, समय रहते अकाउंट को ब्लॉक कर देने से एक बड़ी रकम बचा ली गई। इस मामले में मुंबई के अंबोली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया गया है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, ३२ वर्षीय राहुल सिंह तोमर मूल रूप से मध्य प्रदेश के पीथमपुर के रहने वाले हैं और वर्तमान में मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित अंबोली इलाके में रह रहे हैं। वे लंबे समय से टीवी इंडस्ट्री में सक्रिय हैं और कई लोकप्रिय सीरियल्स और वेब सीरीज में काम कर चुके हैं। घटना उस समय हुई, जब उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने उनसे उनके नाम, पते और पेशे से जुड़ी जानकारी ली। चूंकि राहुल अभिनय क्षेत्र से जुड़े हैं, इसलिए उन्होंने इसे काम से जुड़ा कॉल समझा और बिना किसी संदेह के सामान्य जानकारी साझा कर दी। इसके बाद महज आधे घंटे के भीतर राहुल के मोबाइल पर बैंक अकाउंट से ८५,००० रुपए ट्रांसफर होने का मैसेज आया। यह रकम ‘डोंगरी सुप्रिया’ नाम के एक व्यक्ति के यूपीआई आईडी पर भेजी गई थी। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि अभिनेता ने न तो कोई ट्रांजेक्शन किया था और न ही किसी के साथ अपना ओटीपी या यूपीआई पिन साझा किया था। स्थिति की गंभीरता को समझते

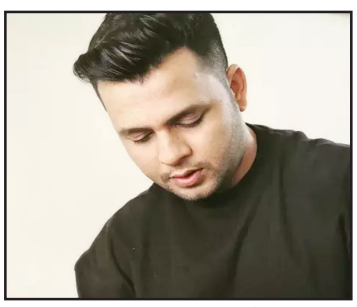

हुए राहुल ने तुरंत अपने बैंक के कस्टमर केयर से संपर्क किया और अपना अकाउंट को ब्लॉक करवाया। साथ ही उन्होंने साइबर फ्रॉड हेल्पलाइन १९३० पर भी शिकायत दर्ज कराई। शुरुआती जांच में सामने आया कि ठगों ने उसी यूपीआई आईडी पर १२,०००, १०,००० और ६,६६६ रुपए की अतिरिक्त ट्रांजेक्शन करने की कोशिश भी की थी, लेकिन अकाउंट समय पर ब्लॉक हो जाने के कारण यह रकम सुरक्षित बच गई। जब राहुल ने संदिग्ध नंबर पर दोबारा संपर्क करने की कोशिश की, तो वह ब्लॉक पाया गया। इसके बाद उन्होंने पुलिस स्टेशन जाकर अज्ञात आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। अगर राहुल सिंह तोमर के करियर की बात करें तो उन्होंने ‘क्राइम पेट्रोल’, ‘गुस्ताख दिल’ और ‘जमुना पार’ जैसे चर्चित शोज में काम किया है। इसके अलावा वे ‘सॉल्ट सिटी’, ‘इंडस्ट्री’ और ‘कर्मा’ जैसी वेब सीरीज में भी नजर आ चुके हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक